

## जलवायु परिवर्तन और फफूंद का प्रजनन



धरती गर्माने के तरह-तरह के असर रिकॉर्ड किए जा रहे हैं। इनमें एक नया असर यह जुड़ गया है कि पिछले कुछ वर्षों में कुकुरमुत्तों का प्रजनन चक्र काफी बदल गया है।

यह तो अब जानी-मानी बात है कि हमारी धरती का औसत तापमान बढ़ रहा है। इसका प्रमुख कारण यह बताया जा रहा है कि मानव क्रियाकलापों के कारण पैदा होने वाली कार्बन डाईऑक्साइड और मिथेन जैसी गैसों की मात्रा वायुमंडल में बढ़ रही है और ये गैसों ग्रीनहाउस प्रभाव पैदा करती हैं।

मौसम परिवर्तन के कई असर देखे जा रहे हैं। जैसे प्रवासी पक्षियों व अन्य जंतुओं पर प्रत्यक्ष असर होते हैं। मगर यह पहली बार है कि किसी जीव के जीवन चक्र को प्रभावित होते देखा गया है। लंदन विश्वविद्यालय के एलन गेंज व उनके साथियों ने कुकुरमुत्तों की 315 प्रजातियों के एक सर्वेक्षण के आधार पर यह जानकारी साइंस में प्रकाशित की है। गेंज व उनके साथियों ने बताया है कि पिछले मात्र 50 वर्षों में कई फफूंदों (कुकुरमुत्ते भी फफूंद ही हैं) का प्रजनन काल 33 दिन से बढ़कर 74 दिनों का हो गया है। इसके अलावा कई प्रजातियों ने साल में एक

बार की बजाय दो बार प्रजनन करना शुरू कर दिया है।

साल भर तो ये कुकुरमुत्ते मिट्टी के नीचे तंतुओं (मायसेलियम) के रूप में फैले होते हैं। प्रजनन हेतु ये फलकाय (फ्रुटिंग बॉडीज़) का निर्माण करते हैं - यही ऊपर छतरियों के समान दिखते हैं। आम तौर पर ब्रिटेन में यह सितंबर के महीने में होता है। पहले इसकी अवधि औसतन 33 दिन होती थी जो अब बढ़कर 74 दिन हो गई है। आजकल लंबी अवधि तक फलकाय बने रहने का कारण यह बताया जा रहा है कि तापमान थोड़ा बढ़ गया है और बर्फ आच्छादन की अवधि कम हो गई है। बर्फ जमा न होने के कारण ये फलकाय दिसंबर तक बने रहते हैं।

मगर ज़्यादा नाटकीय परिवर्तन तो यह देखा गया है कि कई फफूंदों में प्रजनन साल में दो बार होने लगा है। होता यह है कि बढ़ते तापमान के कारण बर्फ जल्दी पिघल जाती है और फफूंदें फैलने लगती हैं। मार्च में बारिश होने पर फलकाय बन जाते हैं। इनसे निकले बीजाण्ड उगकर सितंबर में फिर प्रजनन के लिए तैयार हो जाते हैं।

वैसे फफूंदों के इसे व्यवहार का फायदा कीटों को मिलेगा, जो कुकुरमुत्ते खाते हैं और उन पक्षियों को मिलेगा जो इन कीटों का भक्षण करते हैं। कुछ फफूंदें नुकसान भी कर सकती हैं। वैसे यह कहना मुश्किल है कि कुल मिलाकर क्या असर होगा। (स्रोत फीचर्स)